इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, कटिहार के समारोह में
महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द का संबोधन
(दिनांक–18.11.2016, समय– 2.00 बजे, स्थान–कटिहार)

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, कटिहार जिला के तत्वावधान में आयोजित आज के इस 'मेगा हेल्थ कैम्प' के जन–कल्याणकारी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित माननीय सांसद एवं सभी विधायकगण, रेडक्रॉस सोसाइटी, कटिहार के प्रेसिडेंट–सह–जिला पदाधिकारी, रेडक्रास कटिहार के चेयरमैन, नगर के मेयर, रेडक्रॉस के अन्य सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्तागण, चिकित्सकगण, मीडिया–प्रतिनिधिगण, देवियों एवं सज्जनों!!

रेडक्रॉस सोसाइटी आपदा एवं विभिन्न संकटों की घड़ी में प्रभावितों को पर्याप्त राहत पहुँचानेवाली एक अत्यन्त सक्रिय संस्था है। इसके राज्यस्तरीय प्रेसिडेंट के रूप में मैंने निर्वाचित सभी सदस्यों को हाल ही में राजभवन में सामूहिक रूप से ईमानदारी एवं सत्य निष्ठापूर्वक रेडक्रॉस को अपनी सेवाएँ देने के लिए शपथ दिलाई थी। यहाँ के चेयरमैन ने भी वह शपथ ली थी, जिसके माध्यम से उन्हें संस्था की गतिविधियों को जिले में निरंतर सक्रिय बनाये रखते हुए पूरी तत्परता और सेवा–भावना के साथ मानवीय कल्याण के कार्यों में लगे रहने का दायित्व सौंपा गया था। मुझे विश्वास है कि रेडक्रॉस के चेयरमैन चमड़िया जी और प्रेसिडेंट यहाँ के जिलाधिकारी, सभी जन–प्रतिनिधियों के सहयोग से रेडक्रॉस सोसाइटी की गतिविधियों को बेहतर समन्वय और सक्रियतापूर्वक संचालित कर रहे होंगे।

पूरे विश्व में मानव–जाति के कल्याण–मूलक कार्यों को निरंतर संपादित करने वाली रेडक्रॉस सोसाइटी को अपनी पहचान के लिए किसी प्रमाण की आवश्यकता नही है। यह अपनी सेवा–भावना के लिए विश्वविख्यात है। निस्सहाय एवं अशक्त मानव मात्र की सेवा से बढ़कर

कोई दूसरा पुनीत कार्य नहीं हो सकता। यही कारण है कि 'मेगा हेल्थ कैंप' के उद्घाटन हेतु कटिहार रेडक्रॉस सोसाइटी के आमंत्रण को मैंने सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी और आज आपके बीच हूँ। 'कटिहार रेडक्रॉस सोसाइटी' ने कई महत्वपूर्ण जन–कल्याण के कार्य किये हैं।

रेडक्रॉस सोसाइटी का काम आसान नहीं होता। किसी भी रचनात्मक कार्य को अंजाम तक पहुँचाने में काफी जद्दोजहद करनी पड़ती है। इसमें वे ही लोग सफल होते हैं, जो हृदय से सेवाव्रती और दृढ़ संकल्प वाले होते हैं। लोगों के दुःख–दर्द में साथ निभाना वास्तव में प्रशंसनीय कार्य होता है। कहा भी गया है ''परहित सरिस धर्म नहीं भाई''। अर्थात् परहित या परोपकार से बढ़कर दूसरा कोई धर्म नहीं होता। यदि एक मनुष्य संकटग्रस्त और आपदाग्रस्त किसी दूसरे मनुष्य को कष्टों की घड़ी में सहायता प्रदान करता है, दुःख–दर्दों के समय उसके आँसू पोंछता है, व्यथा के समय उसका सम्बल बनता है–तो इसका मतलब है कि वह इंसान अपने जीवन को पूरी तरह सार्थक बना रहा है। रेडक्रॉस सोसाइटी एक ऐसी ही संस्था है, जिसके जरिये आप पीड़ित मानवता की भरपूर सेवा का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

हमारे समक्ष मदर टेरेसा, फादर कामिल बुल्के और कैलाश सत्यार्थी जैसे कई व्यक्तित्वों के उदाहरण हैं, जिन्होंने सेवा को ही अपने जीवन का मकसद बनाया और मानवता की सेवा को अपनी पूजा माना। खुद के लिए जीना तो सभी को आता है, पर जो लोग अपनी इच्छा और स्वार्थ को होम कर दूसरों के लिए जीते और मरते हैं, वे ही श्रेष्ठ मानव कहलाते हैं। निष्काम भाव से की गई सेवा से बढ़कर कोई बड़ा काम नही है।

रेडक्रॉस सोसाइटी ने आज दुनिया में यदि अपनी पहचान बनाई है, तो ऐसे ही त्यागमय सेवाभावना के कारण। कटिहार रेडक्रॉस सोसाइटी लम्बे समय से निरंतर सेवामूलक कार्यों में तत्पर है, यह

संतोषजनक बात है। मैं चाहूँगा कि इस सोसाईटी से जुड़े उत्साही नौजवान तथा अनुभवी सदस्यगण, इसी तरह की सहभागिता, समन्वय और सक्रियता आगे भी बनाये रखें ताकि वे यथासमय संकटग्रस्त व्यक्तियों के चेहरों की मुस्कुराहट लौटाने में निरंतर सफल सिद्ध हो सकें। मुझे बताया गया है कि रेडक्रॉस की कटिहार शाखा का अपना कोई भवन नहीं है। मेरा सुझाव होगा कि संस्था के चेयरमैन एवं जिलाधिकारी दोनों मिलकर प्रयास करें, ताकि यह कठिनाई शीघ्र दूर हो सके। मेरा सुझाव होगा कि रेडक्रॉस सोसाइटी की गतिविधियों को केवल आपदा के समय तक ही संसीमित नहीं रखा जाय। हर वर्ष पड़नेवाली कड़ाके की ठंढ, लू और बरसात के समय गिरनेवाली बिजली या अन्य महामारियों आदि के समय भी रेडक्रॉस की सेवाएँ पीड़ित परिवारों को उपलब्ध कराई जाएँ। अन्य कल्याणकारी कार्यों, जैसे–स्वास्थ्य–शिविरों या मेडिकल चेकअप कैम्प, आँखों के ऑपरेशन शिविरों आदि के आयोजन भी समय–समय पर रेडक्रॉस के तत्वावधान में आयोजित होने चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि रेडक्रॉस की सेवाओं को सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवाले अभावग्रस्त लोगों तक विस्तारित किया जाये, ताकि उनकी जीवन–रक्षा करने और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य–सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में मदद मिले। रेडक्रॉस सोसाइटी को जिला मुख्यालय में 'रक्त अधिकोष' के सफल संचालन हेतु भी सार्थक भूमिका निभानी चाहिए। रेडक्रॉस की बिहार स्टेट ब्रांच ब्लड–बैंक को सफलतापूर्वक संचालित करती है।

रेडक्रॉस के राज्यस्तरीय प्रमुख होने के नाते, रेडक्रॉस द्वारा संचालित गतिविधियों पर मेरी नजर रहती है। मुझे खुशी है कि पूरे राज्य में रेडक्रॉस के निर्वाचित अध्यक्षों ने कार्यभार सँभाल लिया है एवं संस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सक्रिय हो गये हैं। मेरा अनुरोध है कि आप सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बेहतर ताल–मेल एवं समन्वय बनाये रखते हुए, रेडक्रॉस को और अधिक ऊँचाई प्रदान करने के लिए

हर संभव प्रयत्न करें। मेरी शुभकामना है कि आप सभी अपने मिशन में कामयाब हों और बेसहारों का सहारा बनें। आपने जो बीड़ा उठाया है, वह श्रेष्ठ इंसानीयत को रेखांकित करता है। ईश्वर आप सभी को कामयाबी दें और आगे बढ़ते रहने का हौसला भी। एक बार पुनः आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द!!

****

प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना।